मैथिली / MAITHILI

पेपर II / Paper II

साहित्य / LITERATURE

निर्धारित समय : तीन घंटे
*Time Allowed : **Three** Hours*

*अधिकतम अंक : **250***
*Maximum Marks : **250***

प्रश्न-पत्र स्पष्ट निर्देश

प्रश्नक उत्तर लिखबासँ पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशकेँ सावधानीपूर्वक पढ़ि लिअ :

*एतय दू **खण्ड (SECTION)** मे विभक्त कुल **आठ** प्रश्न अछि ।*

*अभ्यर्थी कुल **पाँच** प्रश्नक उत्तर देथि ।*

*प्रश्न संख्या **1** तथा प्रश्न संख्या **5** अनिवार्य अछि । शेष प्रश्नमेसँ कोनो **तीन** प्रश्नक उत्तर लिखू, जाहिमे प्रत्येक **खण्ड (SECTION)** सँ कमसँ कम **एक** प्रश्नक चयन आवश्यक अछि ।*

प्रश्न / खण्डक निर्धारित अंक ओकरा समक्ष निर्दिष्ट कयल गेल अछि ।

*उत्तर **मैथिली** (देवनागरी लिपि) मे लिखब अनिवार्य अछि ।*

जतय निर्दिष्ट हो, शब्द-सीमाक अनुपालन अपेक्षित अछि ।

उत्तरित प्रश्नक गणना क्रमानुसार कयल जायत । यदि काटल नहि गेल हो तँ अंशत: लिखित उत्तरक गणना सेहो कयल जायत । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिकाक कोनो रिक्त पृष्ठ अथवा कोनो पृष्ठक रिक्त भागकेँ अवश्य काटि दी ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS.***

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

*Answers must be written in **MAITHILI** (Devanagari script).*

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION A

Q1. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य अछि । काव्य-वैशिष्ट्यकेँ निर्दिष्ट करैत निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू, जाहिमे भाव स्पष्ट रहय । (उत्तर अधिकतम 150 शब्दमे दातव्य) *10×5=50*

(a) कबरी भये चामरी गिरि कन्दरे
मुख भये चान्द अकासे ।
हरिनि नयन भये स्वर भये कोकिल
गति-भये गज वनवासे ।। *10*

(b) चिन्हारे अहाँ छी विरञ्चि-प्रपौत्रे,
कुकर्म्मी अहाँ छी करै छी की श्रौत्रे ।
गिरीशार्च्यना छोडि ई की करै छी,
परस्त्री अहाँ छद्म सौं की हरै छी ।। *10*

(c) अगड़ाही लगौ बरू बज्र खसौ
एहेन जाति पर बरू धसना धसौ
भूकम्प हौक बरू फटौ धरती
माँ मिथिला रहिये के की करती ! *10*

(d) की छल से दिन जखन स्वयंवर बीच
नृप-दल प्राणपणे चेष्टल,
कए पूर्ण पूज्य पितागण, जीतब राजकुमारि,
किन्तु अशक्त हताश जखन सभ भेल,
जखन पिता भए आतुर कहल
"यथार्थ भेल बीर बिनु मही,
रहती मम पुत्रि अपरिणीत की ?" *10*

(e) नयन-कमल पर युगल भुजगवर काजर गरल उगारि,
मदन-धन्वन्तरि आपे जबे आओब से विष तबहु न सारि । *10*

Q2. (a) नारी सौन्दर्यक जे चित्रण विद्यापति पदावलीमे भेटैत अछि से अन्यत्र दुर्लभ — 'विद्यापति गीतशती'क पठित अंशक आधार पर एहि उक्तिक विश्लेषण करू । *20*

(b) 'मिथिला भाषा रामायण' भक्ति काव्य ओ मिथिलाक जातीय गरिमाक समवेत रूपेण प्रतिनिधि ग्रंथ थिक — विवेचन करू । *15*

(c) वर्णन विस्तारक हेतु सूक्ष्म दृष्टि एवं प्राञ्जल वचो – विन्यासक दृष्टिएँ 'कीचक वध' सफल महाकाव्य थिक — विश्लेषण करू । *15*

Q3. (a) गोविन्ददासक काव्य नारिकेल फलक सदृश होइतहुँ श्रुति माधुर्यसँ परिपूर्ण अछि — 'गोविन्ददास भजनावली'क पठित अंशक आधार पर एहि उक्तिक विश्लेषण करू । *20*

(b) 'कृष्णजन्म'क कथानकमे मैथिल संस्कृतिक छाप झलकैत अछि — सोदाहरण विवेचन करू । *15*

(c) 'यात्री'जी मैथिली काव्यधाराकेँ नवीनोन्मुख करबाक आयास, संवेदनात्मक एवं व्यंग्यात्मक रूपेँ 'चित्रा' मे कयने छथि — विवेचन करू । *15*

Q4. (a) 'मिथिला-भाषा रामायण' एवं 'रमेश्वर चरित मिथिला रामायण' मे भिन्नताकेँ दर्शाबैत, 'रमेश्वर चरित मिथिला रामायण'क विशेषताक उल्लेख करू । *20*

(b) 'समकालीन मैथिली कविता' मे संकलित रचनाक आधार पर 'आरसी प्रसाद सिंह'क व्यक्तित्व ओ काव्य-वैशिष्ट्यक उल्लेख करू । *15*

(c) 'दत्त-वती' महाकाव्यमे दार्शनिकता ओ आध्यात्मिकताक काव्यात्मक अभिव्यक्ति भेल अछि — पठित अंशक आधार पर स्पष्ट करू । *15*

SECTION B

Q5. **निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू, जाहिमे भाव स्पष्ट रहय । (उत्तर अधिकतम 150 शब्दमे दातव्य)** *10×5=50*

(a) कुमुद कुन्द कदम्ब कास भास,
कैलास कर्प्पूर पीयूषक कानि प्रसारीसन ।
क्षीर समुद्रक दक्षिणानिले चालल तरङ्ग
सनक लहरी अइसन ! *10*

(b) हमरा लेखेँ तँ आब अही' देवता छी । लिय' भेल बहुत काल मान रखलहुँ । एहन तँ ककरो 'वर' नहि छैक । लेल जाओ देवता महाराज, लेल जाओ नैवेद्य उपस्थित अछि । *10*

(c) असली पंडित विद्याक अन्वेषणमे रहैत छथि, नकली पंडित विदाइक अन्वेषणमे, असली पंडित ज्ञानक विस्तार करैत छथि, नकली पंडित धोधिक विस्तार । असली पंडित मूर्खताक संहार करैत अछि, नकली पंडित मधुरक संहार । *10*

(d) जे स्वयं भ्रष्ट अछि, जे स्वयं लुझबा आ लुटबामे व्यस्त अछि, जे स्वयं प्रतिभा आ मेधाक छाती पर सवार भड कड ताण्डव कड रहल अछि सैह अनका भ्रष्ट, चोर निरधिन कहैए । ... कहैए जे तोँ अधलाह छेँ, अधलाह काज कड रहल छेँ । चरित्रहीन चरित्रवानकेँ अयोग्यताक चुनौती देने अछि आ हमरा सन लोक एही चुनौतीक तरमे दबाकड किकिया रहल अछि । *10*

(e) तोँ हमर सींथ छुबितह तेहन भाग हमर नै छह । तोँ देवता छह हमर । मगर ई गहना पहिरबाक हमर भाग नै अछि अइ जन्ममे । ओ गहना पहिरब त' हम मरि जायब । *10*

Q6. (a) 'खट्टरककाक तरंग' चमकैत दू धारी तरूआरि अछि । एक मारक धार आ दोसर सम्हारक धार । एहि तरूआरिक प्रथम धार सँ समाजमे प्रचलित रूढ़िवादी व्यवहार तथा क्रिया-कलापक दिग्दर्शन कराओल गेल अछि आ दोसर धार ओहिमे निहित अधलाह पक्षकमार्जन करैछ — एहि उक्ति पर विचार करू । *20*

(b) भाषाकोषक रूपमे काव्योपयोगी ग्रन्थ होइतहुँ 'वर्णरत्नाकर'मे स्थान-स्थान पर कविशेखराचार्यक कवि-हृदय अभिव्यक्त भइए गेल अछि — पठित अंशक आधार पर एकरा पल्लवित करू । *15*

(c) 'झगड़ा' दम्पती मध्य एकटा एहन झगड़ाक कथा अछि जे अपन मर्मस्पर्शितामे बेजोड़ अछि — स्पष्ट करू । *15*

Q7. (a) ‘पृथ्वीपुत्र’क कथानकमे गति अछि, कथहिसँ चरित्रक चारूता चित्रित अछि, कथामे औत्सुक्य अछि जे क्रमशः बढ़ल अछि ओ कतहु क्षीण नहि होअ । पओलक अछि — सयुक्ति विवेचन करू । *20*

(b) उपन्यास तत्त्वक निकष पर ‘लोरिक विजय’ उपन्यासक मूल्यांकन करू । *15*

(c) ‘राजकमल’क मैथिली कथाक शब्द-शब्दमे नवीनता ओ प्रयोगधर्मिताक अद्भुत सामंजस्य अछि, जेहने भाव-वस्तुमे, तेहने अभिव्यक्ति शैलीमे — ‘कृतिराजकमलक’ आधार पर एहि उक्तिक समीक्षा करू । *15*

Q8. (a) ‘भफाइत चाहक जिनगी’ मे नाटककार शिक्षित-बेरोजगार युवकक माध्यमे समाजमे व्याप्त जीवनक समस्या एवं संघर्षक संग परिस्थितिक अनुसार अपनोकँ अनुकूल बना सकए, तकर बुद्धिवादी सामंजस्य प्रस्तुत कएलनि अछि — एहि कथनक समीक्षा करू । *20*

(b) ‘लोरिक विजय’ सामाजिक संघर्षक अभिलेख थिक । — एहि उक्तिक सार्थकता सिद्ध करू । *15*

(c) मिथिलाक मध्यवर्गीय अभिजात्य वर्गक छद्‌म विद्रूपक चित्रण ‘राजकमलक’ कथाक मूल तत्त्व कहले जाइत अछि — समीक्षा करू । *15*